2020

HINDI — HONOURS

Fifth Paper

Full Marks : 100

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

प्रथम खण्ड

(साहित्य-सिद्धान्त और आधुनिक आलोचना)

निम्नलिखित प्रश्नों **(1–4)** में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए। 32

1. काव्य-प्रयोजन के संदर्भ में भारतीय आचार्यों के मतों की आलोचना कीजिए।

2. रस की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख रसवादी आचार्यों के मतों की विवेचना कीजिए।

3. प्लेटो की काव्य संबंधी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की प्रमुख आलोचनात्मक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** लघूत्तरी प्रश्न का उत्तर दीजिए : 18

(क) व्यंजना पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) शब्द शक्तियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ग) मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) यथार्थवाद से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) मिथक के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(च) काव्य हेतु का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

द्वितीय खण्ड

(भारतीय साहित्य)

6. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी ***एक*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 24

(क) अपना ही है यह देश हुआ है भास हमें,
अपना इस पर अधिकार हुआ है भास हमें।
परिपूर्ण ब्रह्म की सत्ता के अतिरिक्त किसी–
सत्ता पर होगा कभी नहीं विश्वास हमें।।
दासता उसी की केवल कर सकते हैं हम–
दूसरा हमें परतन्त्र न रखने पायेगा – हम नाचेंगे।
नाचेंगे हम आनन्द मगन हो नाचेंगे।।

(ख) मवेशीखाने में जकड़ा हुआ मेरा देश
हार-फूलों से सजी
पालकी में सवार होकर आयेगा
तुरन्त हुई अपनेपन की बौछार में
नहाये हुए लोग
खिल-खिला रहे होंगे।

(ग) सुन्दर संसार में मैं मरना नहीं चाहता
मनुष्यों के बीच में बचना चाहता हूँ,
जीवंत हृदय के बीच यदि स्थान पा सकूँ
तो इन सूर्य किरणों से इस पुष्पित कानन में
मैं अभी जीना चाहता हूँ।

(घ) तुम घर भर में चक्कर काटती रहती हो, छोटी बड़ी चीजों में तुम्हारी परछाइयाँ रेंगती रहती हैं, स्वागत के लिए 'सुहासिनी' होती हो। परोसते समय 'यक्षिणी' खिलाते समय 'पक्षिणी', संचय करते समय 'संहिता' और भविष्य के लिए 'स्वप्नसती'।

... गृहस्थी की दस फुटी खोली में दिन की चौबीस मात्राएँ ठीक-ठाक बिठानेवाली तुम्हारी कीमिया मुझे अभी-भी समझ में नहीं आई।

(ङ) मन चाहा कि वह अपने पेट में पल रहे कीड़े को झटक दे; उसे अपने से दूर कहीं झाड़ दे; जैसे कोई चुभे हुए काँटे को नाखूनों से लेकर निकाल देता है, जैसे कोई चिपटी हुई किलनी की नोंचकर अलग कर देता है।

(च) “मैं उसे क्यों नहीं चला सकती। मैं अपना गुजारा कैसे करुँ? ... हुजूर आप रहम करें। मेहनत मजदूरी से क्यों रोकते हैं मुझे? मैं क्या करुँ; बताइये न मुझे” अफसर ने जवाब दिया, “जाओ बाजार में जाकर बैठ ... वहाँ ज्यादा कमाई है।”

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** का उत्तर लिखिए : 14

(क) ‘पिंजर’ उपन्यास की नायिका की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(ख) ‘अभागी का स्वर्ग’ कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ग) पठित ग़ज़लों के आधार पर मिर्जा ग़ालिब की प्रमुख विशेषताओं पर विचार कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** लघूत्तरी प्रश्न का उत्तर दीजिए ; 12

(क) सआदत हसन मण्टो का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) बिंदा करंदीकर की कविताओं में निहित मानवतावाद पर प्रकाश डालिए।

(ग) ‘लाइसेंस’ कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) रवीन्द्रनाथ टैगोर का साहित्यिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।